यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2022

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 5

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1. रिक्त स्थानो की पूर्ति करो- **10**

1. दशवैकालिक सूत्र के रचयिता ..... थे।
2. ..... धर्म ही यथार्थ धर्म व तत्व है।
3. शय्यंभव के पुत्र का नाम ..... था।
4. मोक्षाभिलाषि साधको के लिए ..... सूत्र अत्यन्त महत्वपूर्ण है।
5. दशवैकालिक सूत्र के दुसरे अध्ययन का नाम ..... है।
6. से कोहा वा ..... हासा वा।।
7. से पुढविंवा ..... लेलुं वा।।
8. अप्पं वा ..... थूलं वा।।
9. जालं वा ..... उक्कं वा।।
10. कीडं वा ..... हत्थंसि वा।।

प्रश्न 2. गाथा पूर्ण कर भावार्थ लिखे व अध्ययन पहचान कर उसका नाम लिखे- **10**

1. एमेए समणा .....

..... रया।।

भावार्थ व अध्ययन नामः- .....

.....

2. अहं च भोगराय .....

..... चर

भावार्थ व अध्ययन नामः- .....

.....

3. तवोगुण .....

..... तारिसगस्स।।

भावार्थ व अध्ययन नामः- .....

.....

4. आयावयंति .....

..... सुसमाहिया।।

भावार्थ व अध्ययन नामः- .....

.....

5. जया संवर .....

..... कडं।।

भावार्थ व अध्ययन नामः- .....

.....

प्रश्न 3. निम्नलिखित गाथा पूर्ण करो- **28**

1. अट्ठावए .....

..... जोइणो।।

2. धिरत्थु .....

..... भवे।।

3. पंचासव .....

.....उज्जुदंसिणो।।

4. दुक्कराइं .....

..... नीरया।।

5. अल्पश्रुतं .....

..... हेतु।।

6. वल्गत् .....

..... मुपैति।।

7. मैने .....

..... क्रिया।।

8. शास्त्रोक्त .....

..... भला।।

9. माता–पिता .....

..... प्रीतिये।।

10. कर्म न .....

..... अभिराम।।

11. मंदार .....

..... ततिर्वा।।

12. शुद्ध चेतन .....

..... बढ़ जाए।।

13. गई वस्तु .....

..... माय।।

14. आपाद .....

..... भवन्ति।।

प्रश्न 4. अर्थ लिखे– **4**

1. किट्यिं – .....

.....

2. गुरू अब्भुट्ठाणेणं – .....

.....

3. सागरिया गारेणं – .....

.....

4. एकल ठाणा – .....

.....

प्रश्न 5. किसने किससे कहाँ– **5**

1. ''तुम्हारा राजा अपने मुँह मिया मिट्ठु बन रहा है।

.....

2. मैं अनाथ हूँ मेरा रक्षक कोई नहीं

.....

3. विद्युतप्रभ के सामने पवनजय कुछ नहीं है।

.....

4. मैं छल नहीं वास्तविकता से जीतूँगी।

.....

5. यह तो मेरे कर्मों का ही दोष है।

.....

प्रश्न 6. सही या गलत– **10**

1. असंख्यात प्रदेशी स्कंध वाले पुद्गलो को जीव ग्रहण करता है। ( )
2. आहारक वर्गणा के लिए रबर का उदाहरण दिया गया है। ( )
3. पुद्गलो में योग के निमित्त से ही शक्ति उत्पन्न होती है। ( )
4. दर्शन गुण जीव में सदैव पाया जाता है। ( )
5. आनप्राप का संबध श्वासोच्छवास की गति से है। ( )
6. तरूण अवस्था में अनाथी मुनि को त्वचा की समस्या होने पर घोर पीड़ा का अनुभव होने लगा। ( )
7. विद्युत प्रभ राजा महेन्द्र के पुत्र थे। ( )
8. भगवती मल्ली को दिक्षा वाले दिन ही केवलज्ञान प्राप्त हो गया। ( )
9. अंजना ने 16 वर्ष तक अपने पति का विरह सहा। ( )
10. मल्ली कुमारी की मर्मभेदी वाणी सुन राजाओ का विवेक जागने लगा। ( )

प्रश्न 7. निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो– **30**

1. पौषध ग्रहण करने के पश्चात कौन सी पहली दो बातो की शुद्धता रखनी चाहिए?

.....

.....

2. तिविहार उपवास प्रत्याख्यान सूत्र लिखे।

.....

.....

3. आयंबिल प्रत्याख्यान सूत्र लिखे।

.....

.....

4. दया के पच्चक्खाण का पाठ लिखे।

.....

.....

5. आलोयणा का कोई 1 दोहा लिखे ?

.....

.....

6. वर्गणा क्या है व उनके प्रकार लिखे?

.....

.....

7. ग्रहण योग्य वर्गणाओ को अवगाहना के अनुरूप बढ़ते हुए क्रम में लिखे?

.....

.....

8. शक्ति सम्पन्न कौन है कारण सहित लिखे?

.....

.....

9. वेदनीय व दर्शनावरणीय कर्म किसके समान है?

.....

.....

10. ज्ञानावरणीय कर्म बंध के कारण लिखे?

.....

.....

11. शुभ नाम कर्म बंध के कारण लिखे?

.....

.....

12. मनुष्य आयु बंध के 4 कारण लिखे ?

.....

.....

13. 8 कर्मों का राजा कौन है और क्यों?

.....

.....

14. आयु कितने प्रकार की है व उनका बंध कब-कब हो सकता है?

.....

.....

15. औदारिक शरीर व वैक्रिय शरीर किसे-किसे प्राप्त होता है ?

.....

.....